International Mountain Day 11 December 2017

Mountains Under Pressure

Message from the Director General

पर्वतों की उत्पति पृथ्वी के गर्भ में सहस्त्राब्दियों से चल रही टेक्टोनिक प्लेटों की हलचलों, उनके आपस में टकराने तथा ज्वालामुखियों द्वारा उपर उछालें गये लावा के परिणामस्वरूप हुयी है ।

अफगानिस्तान सें म्यॉमार तक आठ देशों में फैले हुए हिन्दुकुश हिमालय (HKH) को एक युवा पर्वतमाला कहा जाता है क्योंकि इसकी उप्तति दुनियां के अन्य पर्वतों के तुलना में कुछ सहत्राब्दि पहले ही हुई है। परन्तु हिमालय की विशेषता है कि वर्तमान में यह पूरे मध्य और दक्षिण एशिया की 2.1 अरब जनसंख्या के जीवन यापन और विकास के संसाधन प्रदान करता है।

ऐतिहासिक रूप से जैसे ही HKH असतित्व में आया, यहां उपलब्ध प्रचुर संसाधनों जैसे भोजन, पानी और पर्यावास ने जल्दी ही लोगों, वनस्पतियों व वन्य प्राणियों के लिए पुष्पित व पल्लवित होने का एक महत्वपूर्ण स्थल प्रदान किया और यदि हम देखें, HKH की जैवविविधता ब्राजील के वर्षा–वनों में समान ही है।

अपने विशाल बर्फीले जलाशयों और हिमनदों के लिए पूरी दुनिया में ''तीसरेध्रुव'' के नाम से प्रसिद्ध HKH केवल उन लोगों के लिए संसाधन प्रदान करता है जो कि यहां की हरी–भरी वादियों में निवास करते है अपितु अपने अनगिनित नदियों सें विशाल गंगा–यमुना के मैदान को शश्य श्यामला बनाकर यहां रहने वाली विश्व की सबसे घनी आबादियों में से एक को सिंचाई, स्वच्छता और उद्योग चलाने के लिए निरन्तर जल प्रदान करता है।

वर्तमान में विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक एवं मानव जनित दबाव HKH में प्रबल होते जा रहे है जो यहॉ के परिस्थितिकी तंत्रों के लिए खतरा पैदा कर रहे है और अरबों लोग जो हिमालय के संसाधनों पर निर्भर हैं को अभूतपूर्व चुनौती दे रहे हैं।

जलवायुपरिवर्तन के प्रभाव, चरम मौसम सम्बन्धी घटनाऍ (Extreme Weather Events) की तीव्रता और बारम्बारता को बढ़ा रहे हैं। विगत वर्षों में नेपाल व भारत में आई विनाशकारी बाढ़ दिखाती हैं कि लोग और सरकारे अभी भी इनके प्रभाव को कम करने के लिए संघर्ष

कर रहे हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण हिमालय के असंख्य परिवार जीवनयापन हेतु शहरों मे तरफ पलायन करने को विवश हो रहे हैं, फलस्वरूप जहॉ एक ओर शहरी केद्रों पर जनसख्याा का दबाव बढ़ रहा है वहीं दूसरी ओर स्थानीय श्रम बल घट रहा है और पीछे रह गई महिलाओं और बुजुर्गो पर कार्य का बोझ बढ़ रहा है, नतीजतन शहरों में अतिरिक्त जनसंख्या को समायोजित करने के लिए भी संघर्ष चल रहा है इसका सीधा अर्थ है कि मजदूरी में वृद्धि नही हो पायेगी और अनुत्पादकता में बढ़ोतरी होती रहेगी। हिंदुकुष हिमालय में जलवायु परिवर्तन खाद्य असुरक्षा और पलायन तीनों ही स्थानीय समुदायों की जीवन शैली और पर्यावरण की गुणवत्ता को कम व बाधित करने का काम कर रहे है व्यक्तिगत तौर पर हम अपनी वर्तमान जीवनशैली को परिवर्तित कर सकते है परन्तु सोचना यह है कि यह परिवर्तन बड़े पैमाने पर कैसे लाया जा सकता है, ICIMOD में हम लचीलेपन पर ध्याान और जोर देते है ताकि स्थानीय समुदाय में पर्यावरण व आर्थिक झटकों से बचने और उबरने की क्षमता विकसित हो सके।

HKH की नदी घाटियों में हम स्थानीय लोगों के साथ बाढ़ की पूर्व चेतावनी देने वाली प्रणाली स्थापित करने का कार्य करते है जो बाढ़ भूस्खलन आने की स्थिति में सहायता प्रदान करती है, राष्ट्रीय सीमाओं के पार हम सरकारों और अन्य साझीदारों के साथ काम करने के लिए Institution Building (संस्था निर्माण) का प्रयास करते हैं ताकि कमजोर वर्गों पर ध्यान केंद्रित हो और उनकी क्षमता विकसित हो सके। इस वर्ष हमने HKH की Resilience विषय पर एक अर्न्तराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जिसमें दुनिया भर के 300 से अधिक विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया व पर्वतीय समुदायों की जीवन क्षमता को सुदृढ़ बढ़ाने लिए अपने विचार साझा किये, हमएक ऐसे भविष्य की कल्पना को साकार करने का प्रयत्न कर रहे हैं जहॉ पर्वतीय समुदाय अनेक रणनीतियों के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्था और आजीविका को मजबूती दे सकें। मूल्यवर्धित स्थानीय उत्पाद जैसे शहद और बड़ी इलाइची को बाजार में उॅचे मूल्य प्राप्त कर स्थानीय परिवारों की आर्थिकी को मजबूत कर सकते हैं। हम प्रयासरत हैं कि एक ऐसी पारदर्शी एवॅ सुगम व्यवस्था बना सके जिससे स्थानीय उत्पाद बाजार से जोड़ सकें।

हमें कमलागत वाली प्रौद्यौगिकी जैसे झोलमाल एक जैविकउर्वरक, पौलीहाउस और वर्षा जल से उपयोग एवं संरक्षण को स्थानीय कृषको को देना होगां ताकि वे कम जमीन व पानी मे भी उप्पादकता बढ़ा सके। ये हमारे कार्यों के कुछ उदाहरण मात्र हैं, जैसे जो परिस्थितियां तथा दबाव पर्वतों की उॅचाई एॅव सुन्दरता से बढ़ानें में सहायक होते हैं उसी तरह हम HKH और दुनिया के अन्य पहाड़ों में जलवायु परिवर्तन, खाद्य असुरक्षा और पलायन की समस्याओं को संभावनाओं में परिवर्तित करने के लिए कोशिश में जुटे है।

अर्न्तराष्ट्रीय पर्वतीय दिवस के अवसर पर हम हिमालय और दुनिया भर में बहिनों और भाइयों के साथ एक स्वर से पहाड़ों की अमूल्य धरोहरों की तरफ ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं और आप सभी को इस मिशन में शामिल होने का आग्रह करते हैं।
हम याद दिलाने चाहते है कि ये पर्वतों की बात है और स्वस्थ पहाड़ों का सीधा अर्थ है कि हर किसी के लिए स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य।

डेभिड मोल्डेन
महानिर्देशक